



खबर मन्त्र



हट झारखण्डी का अपना आवास अबुआ आवास



बहुत तकलीफ में थे। मिट्टी का पूरा घर बाहिश में टपकता था। मुझे फिर अबुआ आवास मिला। इसकी तीसरी किश्त मुझे मिल गयी है। जल्द मेरा घर भी बन जायेगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी का बहुत-बहुत आभास, जोहार।

उमिला देवी, हजारीबाग

8 लाख
आवास पर
शुरू हुआ काम

तीन करोड़ों
का पक्का मकान
एवं दसोई घर का
दो दहा निर्माण

₹2 लाख
की सहायता दाशि मिल
दही प्रति आवास



25

लाख+
परिवारों
को आवास



सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PRNO 338157 (IPRD) 24-25



सरल मंत्र - 'ॐ कृष्णांडै नमः ॥'

ददे बालित कामार्थ

चन्द्रधृकुरुषेखरम्।

सिंहरुदा अष्टभूजा कृष्णांडा

यशस्विनोम्॥

नवरात्रि के चौथे दिन मां कृष्णांडा की

पूजा-आराधना की जाती है। अपनी

मद, हल्की ही द्वारा अंड अथवा

ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इन्हें

कृष्णांडा देवी के रूप में पूजा जाती है।

संख्यून भूषा में कृष्णांड की बालि

इन्हें सर्वाधिक प्रिय है। मां कृष्णांडा की

आराधना करने से जीवन के सभी दुष्यों

का अंत होता है और घर में

सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

ऐसा मार्ग जाता है जिसे पापांति ने

सिंहिदात्री का रूप धारण करने के बाद

ऊर्जा और प्रकाश को संयुक्त करने

के लिए इस रूप का धारण किया था,

जो साधक माता रानी के इस अवतार

की पूजा करते हैं, उन्हें सुर्य जैसे रेत

की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी

मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब

प्रिंट ने सुधि की रचना करने के बारे

में विवरण किया,

उस समय सप्तरत

पूरा ब्रह्मांड स्वरूप था। जहां वारों तरफ

कोई धूम थी और नहीं राम।

तब विंदे ने देवी दुर्गा

से सहायता ली।

फिर एक दूर्गा द्वारा वैश्यीनी

कृष्णांडा ने पूजा सुनी की रचना की।

मां के मुख मंडल पर फैली मंद मुरकान से

सप्तरत आपांकित क्राक्षाशन हो रहा था।

मां कृष्णांडा के मुखमंडल पर उत्तरात

तेज से रुप्रकाशन है। मां सुर्य

लोक के अंदर और बाहर सभी जाती

पर अपांकित करती है। ऐसा कहा जाता है कि जो

लोग माता रानी के इस स्वरूप का

ध्यान करते हैं, उनके सभी कष्टों का

अंत क्षण भर में हो जाता है।

न्यूज डायरी

हाइकोर्ट के खिलाफ

भजंगी जायेंगे सुप्रीम कोर्ट

रांची। रांची डीसी मूर्यान्थ भजंगी

एक बार फिर सुखियों में है। चुनाव

आयोग की राज्य सरकार को चिह्नी

के बाद मंजूराथ भजंगी सुप्रीम कोर्ट

जाने की अवधारणा करती कर रहे हैं। उन्होंने

इस बात की जानकारी सरकार को

चिह्नी लिखकर दी है।

जंगल से महिला की

सिद्ध कर्ती लाश बरामद

खूंटी। जिने के मारंगदा थाना क्षेत्र

में जंगल से एक अदिवासी महिला

का सिर कटा रखा रामद हुआ है।

सूचना पर पुलिस ने महिला का शव

बरामद किया। पुलिस शव को

पोस्टमार्ट तक ले जाया दिया।

सड़क हादसे में आइटीवीपी

के 24 जवान घायल

टिहरी (झारखंड)। अधिकेश गोपी

राष्ट्रीय राजमार्ग पर तालिय के पास

आइटीवीपी की बस पलटने से 24

जवान घायल हो गये। बस में कुल-

38 जवान सवार थे। जम्म-कर्मी

में चुनाव करने के बाद वे उत्तरकाशी

जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार

ब्रेक होने से ये हादसा हुआ।

अतुल को धनबाद में

मिल गया एडमिशन

धनबाद और खिरकार अतुल को

आईआईटी आईएसएस धनबाद में

दाखिला मिल गया है। वह शनिवार

को आईआईटी आईएसएस पहुंचा।

संस्थान की ओर से उसका स्वागत

किया गया। एडमिशन मिलने पर

अतुल ने सुप्रीम कोर्ट का आभार

जताया है।

वाटना आमूषण

सोना (बिंदी) : 71500 रु./10 ग्राम

वांडी : 94000 रु./प्रति किलो

तीसरी आंख

फिल्मों से राजनीति में

आने वालों को तो बड़ी

मुश्किल होती होगी,

बिना डायरेक्शन के

एविंटंग जो करनी

पड़ती है।

रांची, रविवार
06.10.2024

धरती आगा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित

khabarmantra.net

आश्विन, शुक्र पक्ष, चतुर्थी, संवत् 2081



मूल्य : ₹ 3 | वर्ष : 12 | अंक : 87

07

शक्ति की मौलिक कल्पना

दुर्गोत्सव : राज्य का सबसे बड़ा पूजा पंडाल खुला



सीबीआइ के साथ ईडी भी करेगा जांच : हाइकोर्ट

खबर मन्त्र संवाददाता

धनबाद अवैध खनन मामला

रांची। आराखंड हाइकोर्ट ने धनबाद

में अवैध खनन के मामले में

सीबीआइ के साथ प्रवर्तन

निदेशालय (ईडी) को भी पौंड दर्ज

कर प्रारंभिक जांच करने का आदेश

दिया गया है। शनिवार को सुनवाई के

दैरायां पर अवालत ने अपने फैसले में

कहा है कि प्रारंभिक जांच में

आरोपी को सही पाये जाने के बाद

नियमित प्राथमिकी दर्ज कर मामले

की जांच की जाये।

कोर्ट के इस फैसले से अब कई

पुलिस अधिकारी फैसले से

करने को सहयोग करने का आदेश

है। आरोपी को अपने फैसले में

कहा है कि आरोपी जांच करने के बाद

अपने फैसले में आदेश

दिया जायेगा। आरोपी को अपने

फैसले में आदेश दिया जायेगा।

कोर्ट ने आरोपी को अपने फैसले में

कहा है कि आरोपी जांच करने के बाद

अपने फैसले में आदेश

दिया जायेगा। आरोपी को अपने

फैसले में आदेश दिया जायेगा।

कोर्ट ने आरोपी को अपने फैसले में

कहा है कि आरोपी जांच करने के बाद

अपने फैसले में आदेश

दिया जायेगा। आरोपी को अपने

फैसले में आदेश दिया जायेगा।

कोर्ट ने आरोपी को अपने फैसले में

कहा है कि आरोपी जांच करने के बाद

अपने फैसले में आदेश

दिया जायेगा। आरोपी को अपने

फैसले में आदेश दिया जायेगा।

कोर्ट ने आरोपी को अपने फैसले में

कहा है कि आरोपी जांच करने के बाद

अपने फैस



समय

संवाद

सिव युधीर बिबाह, जो सप्रेम गान्धी हुनहि।

तिन्ह कहूँ सदा उडाह मंगलायन राम जयु।

तुलसीदास जी कहते हैं कि जो कोई विजय, विवेक और विश्वित (ऐश्वर्य) चाहते हों तो राम के समर (युद्ध) संबंधी कथा को सुनो उस कथा के ब्रवास से राम प्रसन्न होते हैं और मनुष्य को सहज ब्रवास विवेक और विष्वित प्रदान करते हैं-

समर ब्रिजय युधीर के चरित जे सुनहि सुजान।

बिजय बिबेक बिभूति नित तिन्हहि देहिं भगवान।

राजराजेश्वर भगवान श्रीराम के राज्याभिषेके के चरित को सुनने से तीनों प्रकार के ताप नष्ट हो जाते हैं। साथ ही ज्ञान और वैराग्य की प्राप्ति होती है। भक्त शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं-

सुन खगपति यह कथा पावना।

विविध ताप भव भव दावनी।

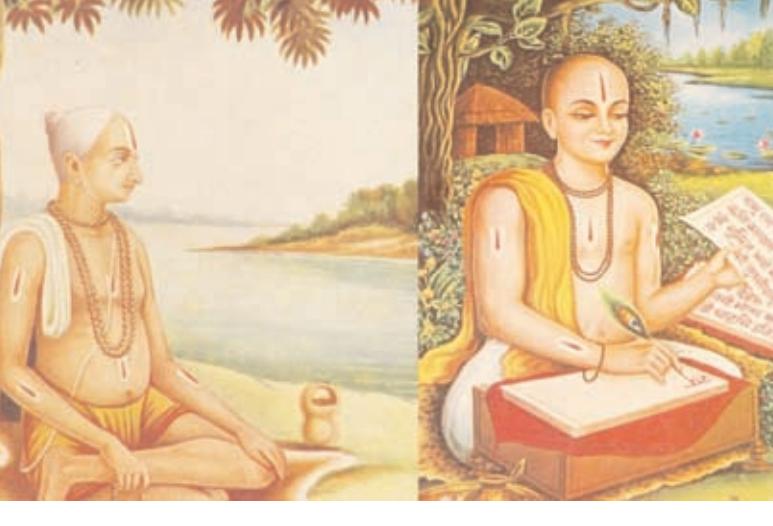
महाराज कर सुभ अभिषेक।

सुनत लहहि नर बिबरति बिबेक।



डॉ हर्षाधन कोइरला

शारदीय नववात्र में सभी भक्तगण माता की पूजा हेतु तैयारी में तन, मन से जुटे हुए हैं। नववात्र में देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा-उपसाना की जाती है। देवी का पहला स्वरूप शैलपुत्री का है। दुर्गा का नाम ब्रह्मचारिणी है। तीसरा स्वरूप चन्द्रघण्ठा के नाम से प्रसिद्ध है। चौथा स्वरूप को कूपाण्डा कहते हैं। देवी के छठे स्वरूप को कात्यायनी कहते हैं। सातवां कालरात्रि और आठवां स्वरूप महागौरी के नाम से जाना जाता है। भगवती का नौवां स्वरूप सिद्धिद्वारा के नाम से जग विखाया है। भगवती दुर्गा के इन नौ स्वरूपों को इस शोक के माध्यम से जाना जा सकता है-



प्रथमं शैलपुत्री च द्वितीयं ब्रह्मचारिणी।

तीतीयं चन्द्रघण्ठेति कूपाण्डेति चतुर्थकम्।

पञ्चमं स्कन्दमातेति षष्ठं कात्यायनीति च।

सप्तमं कालरात्रीति महागौरीति चाष्टमा।

नवमं सिद्धिद्वारी च नवदुर्गा।

प्रकीर्तिः।

भगवती जगद्भावा का पूजन प्रत्येक नर-

नरी को करना चाहिए। उनके पूजन से मनुष्य

धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष को प्राप्त कर सकते हैं।

श्रीमद्वीपाभगवत पुराण के अनुसार चारों

वर्ण के स्त्री-पुरुष एवं चारों आश्रम के लोग

उनकी सेवा करने के अधिकारी हैं। साथ ही

शाक के अतिरिक्त शैव, वैष्णव, सूर्योदासक

और गणेशोपासक सभी इनको आधाना कर

परम शांति को प्राप्त कर सकते हैं। भेद कहीं है तो केवल मनुष्य के मस्तिष्क में।

महाकवि तुलसीदास उदार हृदय सम्पन्न विराट समन्वयवादी कवि थे। उनकी

उदारता का सबसे बड़ा प्रणाल उनकी विनय परिका है। विनय परिका के सभी देवी-देवों की स्तुति करते हैं और उनसे राम की निश्चल भक्ति मार्गित हैं। इस क्रम में वे भवानी से कहते हैं- जय जय जगजननि देवि सुर-नर मुनि-असुर-सेवि,

भूक्ति-मुक्ति-दायिनी, भय-हरणि कालिका।

मंगल-मुद-सिद्धि-सदनि, पर्वशर्वरीश-

वदनि,

ताप-तिमिर-तरण-तरणि-

किरणमालिका।

तुलसीदास कहते हैं कि हे जगत की माता!

हे देवि ! तुम्हारी जय हो, जय हो।

देवता, मनुष्य, मुनि और असुर सभी तुम्हारी

हुए कहते हैं - तुम रुप, सुख और शील की

सेवा करते हैं। तुम भोग और मोक्ष को देने वाली हो। भक्तों के भय को दूर करने के लिए तुम कल्पिका हो। तुम कल्पणा करने वाली हो सुख-सृष्टि का घर हो। तुम ही आत्मातिक, आधिभौतिक और आधिदैविक परिका हो। विनय परिका के द्वारा जाती है। इसलिए देवि !

तुम्हारी अनेक नाम और रूप हैं। तुम सप्त संसार की स्वामिनी हो। हे शरणात्मक विनय करने वाली माता ! मेरी रक्षा करो --

जय महेश भामिनी, अनेक-रूप-नामिनी,

समस्त-लोक-स्वामिनी, हिमशैल-बालिका।

रघुपति-पद परम प्रेम, तुलसी यह अचल नेम,

देव है प्रसन्न न पहि प्रणति-पालिका।

तुलसीदास माँ जयदग्ध से विनती करते हुए कहते हैं - तुम रुप, सुख और शील की

देवता, मनुष्य, मुनि और असुर सभी तुम्हारी

हुए कहते हैं।

(लेखक गोस्तर कॉलेज रांची हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष हैं निवास चोगा, सोनाहातू, रांची)

चांदी के गुण

नियति

प्राचीन समय से चांदी के आधुनिकों का प्रचलन रहा है जो आज भी महालाऊ-युवतीयों को प्रिय है। इसकी वजह एक तो कम कीमत है, ऊपर से चांदी में मौजूद औपचार्य युग भी है। इस धातु के गहने रक्त

संचार बेहतर करने के साथ ही मानसिक

सेवन के संबंधों के बारे में जाते हैं।

इन दिनों चांदी के आधुनिकों की प्रिय हैं। दरअसल, इनके में सोने, प्लॉटिनिम और हीरे से ज्यादा चांदी के आधुनिकों की प्रिय है। नई पीढ़ी दूसरों से अलग और ज्यादा एथेनिक दिखने के लिए, इन दिनों चांदी के आधुनिकों को खुब पहन ही है। लेकिन बाजार में गहनों की मांग के पीछे दो वर्षों और भी है। एक तो ये हीरे और सोने के मुकाबले काफी सस्ते हैं, वहीं दूसरी चांदी के अधिकारी है। साथ ही चांदी के गहने रक्त के अधिकारी है।

चांदी के गहने को खुब पहन ही है कि वे नीले पड़े

संचार में सुधार होता है। शरीर का तापमान संतुलित रहता है और चांदी अपने गुणों के लिए, इनकी वासी रक्त के अधिकारी है। चांदी के गहने रक्त के अधिकारी है। चांदी के विभिन्न विकित्या उत्तर के अधिकारी है। प्रार्थना, उपवास, ध्यान और मौन के माध्यम से नवरात्रि का पवन हमें नवरात्रि देती है। नवरात्रि हमें अपने आंतरिक शक्ति को पहचानने की ओर उनकी विवाह के अधिकारी है।

चांदी के गहने को खुब पहन ही है कि हमें नमक और उनकी को पहनने थे।

चांदी मैं औषधीय गुण

चांदी को प्राचीनकाल से ही

उपचारायक गुणों से भर्तृ माना जाता रहा है।

यही वजह है कि मोहनजोड़ी जैसी

प्राचीन कथाओं के आधुनिकों की प्रिय है। दरअसल, इनका नीला, पीला या

मरंगीला या गुलाबी रंग की विभिन्न

प्रतिक्रियाओं से काफी अद्भुत है।

प्रतिक्रियाओं से चांदी के आधुनिकों की प्रिय है। इन दिनों चांदी के आधुनिकों की प्रिय है। दरअसल, इनका नीला, पीला या

मरंगीला या गुलाबी रंग की विभिन्न

प्रतिक्रियाओं से काफी अद्भुत है।

प्रतिक्रियाओं से चांदी के आधुनिकों की प्रिय है। इन दिनों चांदी के आधुनिकों की प्रिय है। दरअसल, इनका नीला, पीला या

मरंगीला या गुलाबी रंग की विभिन्न

प्रतिक्रियाओं से काफी अद्भुत है।

प्रतिक्रियाओं से चांदी के आधुनिकों की प्रिय है। इन दिनों चांदी के आधुनिकों की प्रिय है। दरअसल, इनका नीला, पीला या

मरंगीला या गुलाबी रंग की विभिन्न

प्रतिक्रियाओं से काफी अद्भुत है।

प्रतिक्रियाओं से चांदी के आधुनिकों की प्रिय है। इन दिनों चांदी के आधुनिकों की प्रिय है। दरअसल, इनका नीला, पीला या

मरंगीला या गुलाबी रंग की विभिन्न

प्रतिक्रियाओं से काफी अद्भुत है।

प्रतिक्रियाओं से चांदी के आधुनिकों की प्रिय है। इन दिनों चांदी के आधुनिकों की प्रिय है। दरअसल, इनका नीला, पीला या

मरंगीला या गुलाबी रंग की विभिन्न

प्रतिक्रियाओं से काफी अद्भुत है।

प्रतिक्रियाओं से चांदी के आधुनिकों की प्रिय है। इन दिनों चांदी के आधुनिकों की प्रिय है। दरअसल, इनका नीला, पीला या

मरंगीला या गुलाबी रंग की विभिन्न

प्रतिक्रियाओं से काफी अद्भुत है।

प्रतिक्रियाओं से चांदी के आधुनिकों की प्रिय है। इन दिनों चांदी क

